सुविचार यदि आपको कभी झुकना पडे तो आप वीरो की भांती झुकना - सुभाष चन्द्र बॉस

डीजिटल संस्करण https://sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष -३ अंक -६४ सोमवार –१९/०१/२०२६ पृष्ठ – ३ प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

वैश्वीक अशांति ओर अमेरिकी हस्तक्षेप

दुनिया के नक्शे पर नजर डालें तो शायद ही कोई ऐसा संघर्ष क्षेत्र मिलेगा जहाँ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अमेरिका की उपस्थिति न हो। वियतनाम से लेकर इराकए अफगानिस्तानए सीरिया और अब वेनेजुएला व यूक्रेन तक इतिहास गवाह है कि वैश्विक तनाव के अधिकांश केंद्रों के पीछे वाशिंगटन की रणनीतियां सक्रिय रही हैं। सवाल यह है कि क्या अमेरिका दुनिया का स्वयंभू पुलिसकर्मी है या वह अपने हितों के लिए अस्थिरता पैदा करने वाला मुख्य कारक है। अमेरिका की विदेश नीति अक्सर लोकतंत्र की रक्षा और मानवाधिकारों के सुंदर शब्दों में लिपटी होती है। लेकिन इसकी तह में जाने पर आर्थिक और सामरिक स्वार्थ स्पष्ट दिखाई देते हैं। वेनेजुएला का उदाहरण लें तो वहां लोकतंत्र की चिंता से कहीं अधिक दिलचस्पी वहां के विशाल तेल भंडारों और लैटिन अमेरिका में समाजवाद को कुचलने में है। अमेरिका की यह पुरानी कार्यशैली रही है कि जहाँ भी उसकी विचारधारा या व्यापारिक हितों को चुनौती मिलती है वहां वह शासन परिवर्तन का खेल शुरू कर देता है। हथियारों का कारोबार भी इस तनाव का एक बड़ा कारण है। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक है। जब तक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध या तनाव की स्थिति बनी रहेगी तब तक उसके सैन्य.औद्योगिक परिसर का मुनाफा बढ़ता रहेगा। मध्य पूर्व में दशकों से जारी अस्थिरता इसका सबसे बड़ा प्रमाण है जहाँ गुटबाजी को हवा देकर अरबों डॉलर के हथियार बेचे जाते हैं। इसके अलावाए डॉलर की वैश्विक प्रधानता को बनाए रखने की होड़ भी संघर्षों को जन्म देती है। जो भी देश डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने या अपनी स्वतंत्र आर्थिक राह चुनने की कोशिश करता है चाहे वह लीबिया के गद्दाफी हों या वेनेजुएला के मादुरो उसे अमेरिकी कोपभाजन का शिकार होना पड़ता है। दूसरों के आंतरिक मामलों में दखल देने की यह प्रवृत्ति न केवल संप्रभुता के सिद्धांत का उल्लंघन है। बल्कि यह एक ऐसी अराजकता को जन्म देती है जिसका खामियाजा निर्दोष नागरिकों को भुगतना पड़ता है। अब समय आ गया है कि दुनिया एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़े जहाँ किसी एक शक्ति की सनक पूरी दुनिया की किस्मत तय न करे।

नीमच के सरवानिया महाराज चौकी क्षेत्र के लासुर धमनिया में मकान निर्माण के समय चचेरे भाई ने युवक पर फावडे से हमला कर उतारा मौत के घाट !

परिजनों ने तत्काल गिरफ्तारी को लेकर एसपी ओफिस के बाहर शव रखकर लम्बे समय तक चक्का जाम किया ।

नीमच के सरवानिया महाराज चौकी क्षेत्र के लासूर धामनिया में मकान निर्माण को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान चचेरे भाई ने युवक पर फावड़े से हमला कर दिया। युवक पवन बारेट गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गुरुवार देर शाम की है।

पवन की मौत की खबर फैलते ही गांव में तनाव की स्थिति बन गई। मृतक की पत्नी और बड़ी संख्या में परिजन न्याय की गुहार लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों ने बताया कि निर्माण कार्य जैसी छोटी सी बात पर परिवार के ही लोगों ने पवन की हत्या कर दी।कंट्रोल रूम के सामने मुख्य मार्ग पर शव रखकर किया विरोध प्रदर्शन – प्रशासन की शुरुआती समझाइश से परिजन संतुष्ट नहीं हुए। इसके बाद, आक्रोशित परिजनों ने जिलाअस्पताल से पवन का शव लाकर सीधे कंट्रोल रूम के सामने मुख्य मार्ग पर रख दिया और चक्काजाम कर दिया। इस प्रदर्शन के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। चक्काजाम और हंगामे की सूचना मिलते ही सीएसपी किरण चौहान, तहसीलदार अजेंद्र नाथ प्रजापत और कैंट थाना प्रभारी निलेश अवस्थी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों को शांत करने का काफी प्रयास किया और आश्वासन दिया कि कानून अपना काम कर रहा है।

हालांकि, परिजन आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग पर अड़े रहे। समाचार लिखे जाने तक मौके पर समझाइश का दौर जारी था और माहौल तनावपूर्ण बना हुआ था।

जावद पुलिस ने 40 लाख की केबल चोरी का खुलासा किया , दो आरोपी पुलिस गिरफ्त मे अन्य की तलाश जारी ।

आरोपीयों से पुलिस की पुछ्ताछा जारी है ।

जावद के सिंगोली थाना पुलिस ने बिजली केबल चोरी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने शनिवार शाम को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 40 लाख रुपए की चोरी की गई विद्युत केबल जब्त की। इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय केबल चोर गिरोह के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति और पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा थी।

घटना का खुलासा तब हुआ जब ग्राम फुसरिया निवासी परसमल पिता मोहनलाल धाकड़ (32) ने रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने बताया था कि ग्राम फुसरिया, गोट जड़, पेटलिया और धोभिया सहित कई गांवों में लगातार बिजली केबल चोरी हो रही थी, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने केबल चोरी की वारदात को स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिंगोली निवासी प्रकाश पिता जगदीश शर्मा और ग्राम झांझरा निवासी कुमान सोलंकी के रूप में हुई है। इस मामले में एक अन्य आरोपी राहुल पिता गोपाल मोर्य फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को शनिवार को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

खाडी देश में तनाव ओर इरान संकट के बीच युएई के राष्ट्रपति भारत आ सकेते है !

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को भारत दौरे पर आ सकते हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब खाड़ी देशों, खासकर यूएई और सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ रहा है। साथ ही, ईरान को लेकर क्षेत्रीय समीकरण भी बदल रहे हैं। ऐसे वक्त में भारत और यूएई अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना चाहते हैं। जानकारी के मुताबिक, यूएई के राष्ट्रपति का ये भारत दौरा महज आधे दिन का हो सकता है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति के बीच व्यक्तिगत संबंध बहुत अच्छे हैं। इसी मजबूत रिश्ते की वजह से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध तेजी से आगे बढ़े हैं। यह दौरा दोनों देशों के बीच पिछले दस सालों में होने वाली कई बड़ी मुलाकातों में से एक होगा। इससे पहले, मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 2016 और 2017 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के तौर पर भारत आए थे।

एमपी में शहडोल जिला सबेस ठंडा 25 शहरों मे पारा 10 डिग्री से नीचे ।

सर्द हवाओं से ठिठुरन बढी। उत्तर भारत में कोहरा बढा।

पहाड़ों में बर्फबारी और उत्तर से सर्द हवा आने से मध्यप्रदेश में भी ठंड बढ़ गई है। उत्तरी हिस्से में कोहरा छा रहा है। भोपाल, शहडोल–रीवा संभाग में तेज ठंड है। शहडोल के कल्याणपुर में पारा 3 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं, 25 शहरों में 10 डिग्री के नीचे टेम्परेचर है। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के साथ तेज ठंड है। वहां से हवा मैदानी इलाकों में आ रही है। शनिवार को उत्तर–पूर्व भारत के ऊपर समुद्र तल से 12.6 किमी की ऊंचाई पर करीब 269 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम चलती रही। जिसका असर एमपी में भी देखा गया। इस वजह

जेल मे सोनम को टहलने की भी जगह नही ,फर्श पर सो रहे -सोनम की पत्नी।

लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने कहा कि सोनम को जेल में फर्श पर कंबल में सोना पड़ा रहा है। उनके पास कोई फर्नीचर नहीं है।

ोनम वांगचुककहा कि उनके बैरक में इतनी भी जगह नहीं है कि वे ठीक से घुम फिर भी नही सकते। उन्होने कहा कि सॉलिसिटर जनरल तारीख पर तारीख मांग रहे हैं क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि केस में कोई दम नहीं है। एक इंटरव्यू में ये बाते कहीं। सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई लेह में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद की गई थी।

भाजपा लोगो की पहली पंसद - असम में मोदी।

मोदी ने असम मे अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश के लोगों की पहली पसंद बन गई है। देश कांग्रेस को लगातार नकार रहा है। जनता को गुड गवर्नेंस चाहिए, उसे विकास चाहिए। जिस महाराष्ट्र में कांग्रेस कई साल तक सत्ता में रही, वहां से वो हार गई। मोदी ने कलियाबोर में ६6,957 करोड़ के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी। इसका मकसद ट्रैफिक जाम को कम करना और युनेस्को विश्व धरोहर स्थल के आसपास वन्यजीवों की रक्षा करना है। पीएम ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों– डिब्रूगढ़–गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या–रोहतक को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई।

धर्म ही भागवत ओर मोदी को चला रहा - मोहन भागवत ।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आरएसएस क्रर्याकम में भागवत का बयान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चीफ मोहन भागवत ने कहा कि धर्म ही मुझे और नरेंद्र मोदी को धर्म ही चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को कंट्रोल करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अपने संतों और ऋषियों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलाएगा, वह विश्वगुरु बना रहेगा। भागवत ने ये बातें रविवार को छत्रपति संभाजीनगर में आरआरएस के शताब्दी वर्ष को लेकर आयोजित जनसभा में कहीं।

सृष्टि बनने के बाद उसके संचालन के नियम ही धर्म बने और सब कुछ उन्हीं नियमों पर चलता है। दुनिया में आध्यात्मिकता की कमी है, इसलिए ऐसा ज्ञान वहां नहीं मिलता।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

YouTube

SWATANTRA BODDHIK PATRA

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

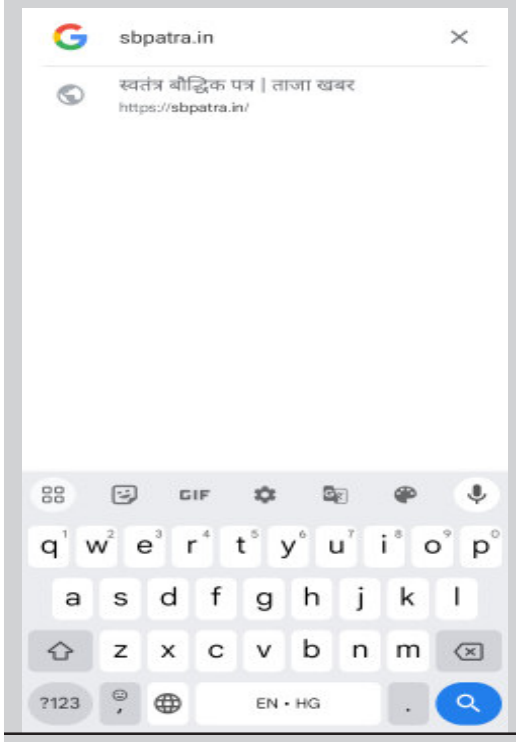

(1) गुगल सर्च करे - https://sbpatra.in/

(2) होम पेज पर केटेगिरी मे जाए

(3) ई-पेपर केटेगिरी चुने

(4) समाचार पत्र आपके सामने क्लिक करे !

नि:शुल्क ई-पेपर प्रति सोमवार को वेब पोर्टल https://sbpatra.in/ से डाउनलोड कर सकते है।